Kala : The Journal of Indian Art History Congress
ISSN : 0975-7945

कोरबा (छ.ग.) के वृद्धजनों की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएँ

सुशील कुमार गुप्ता शोधार्थी समाजशास्त्र, डॉ. सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय, कोटा बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ रीना तिवारी सहा. प्राध्यापक (समाजशास्त्र), डॉ. सी.वी.रामन् विश्वविद्यालय, कोटा बिलासपुर (छ.ग.)

सारांश

देश में तेजी से बदलती सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों, चल रही खुली बाजार नीतियों, अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और कई अन्य कारकों ने अंततः सामान्य रूप से लोगों और विशेष रूप से वृद्ध लोगों की सामाजिक एवं वित्तीय स्थिति को बदल दिया है। कुछ हद तक, ये कारक बढ़ते ग्रामीण–शहरी विभाजन और विभिन्न सामाजिक, वित्तीय, धार्मिक या क्षेत्रीय पृष्ठभूमि से वृद्ध व्यक्तियों की वित्तीय स्थिति में असमानता के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य, इन परिवर्तनों की बारीकियों को समझना है, क्योंकि ये बुजुर्ग व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करते हैं।

कीवर्ड – वृद्धावस्था, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, जीवन, परिवार

प्रस्तावना

वृद्धावस्था एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है। बुढ़ापा समस्याओं के बिना नहीं है। वृद्धावस्था में शारीरिक शक्ति क्षीण हो जाती है, मानसिक स्थिरता कम हो जाती है; युवा पीढ़ी की लापरवाही के साथ धनबल धूमिल हो जाता है। इस अध्ययन का विषय विभिन्न स्रोतों से जानकारी का एक संग्रह है जो कोरबा में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति के लिए प्रासंगिक है। इस अध्ययन के माध्यम से वृद्धावस्था में होने वाले आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

उद्देश्य

वृद्ध व्यक्तियों की स्थितियों पर शोध करने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों प्रस्तावित किए गए है –

1. वृद्धजनों की होने वाली सामाजिक समस्याओं की पहचान करना।
2. वृद्धजनों की होने वाली आर्थिक समस्याओं की पहचान करना।
3. वृद्धजनों की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं के कारणों का पता लगाना।
4. वृद्धजनों की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं का समाधान सुझाना।

पूर्व साहित्य

अहमद, अल्ताफ, और जान (2016) ने अपने शोध "अकेलापन, आत्म सम्मान और अवसाद के बीच कश्मीर के बुजुर्ग लोग" में बताया कि उम्र बढ़ने से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं, क्षमताओं का ह्रास और अन्य समस्याएं व्यक्तियों को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित करता है। जब वृद्ध लोग स्वास्थ्य समस्याओं, बीमारियों का अनुभव करते हैं, जब वे क्षमताओं में गिरावट का अनुभव करते हैं, जब उन्हें लगता है कि वे अब सक्षम नहीं हैं कुछ भी कर रहे हैं और मुख्य रूप से दूसरों पर निर्भर हैं।
गोविल, और गुप्ता (2016) ने शोध कार्य में बताया कि परिवार के सदस्यों और देखभाल करने वालों के स्वभाव और गतिविधियों में परिवर्तन भी उनकी एक समस्या है। परिवार में अक्सर युवावर्ग में वृद्ध लोगों के खिलाफ समायोजन की कमी, दुर्व्यवहार की समस्याएं देखी गयी हैं। वित्तीय मामले, और संपत्ति विवाद से वृद्ध लोगों के खिलाफ अपराध का प्रसार भी हुआ है।

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)
GOVT. E.V.P.G. KORBA